जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

साप्ताहिक

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

हमारा वतन

ہمارا وطن ہفت روزہ

देश का अपना अखबार

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com

FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 62 अंक-27 जयपुर, सोमवार, 20 जुलाई, 2026 वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) पृष्ठ संख्या 4

खादी अब फैशन और लाइफस्टाइल की नई पहचान, भारत टेक्स 2026 में दिखी झलक

नई दिल्ली (हमारा वतन)

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज गोयल ने मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स 2026 के हॉल नंबर-10 में 'खादी इंडिया पवेलियन' का उद्घाटन किया और पवेलियन का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शकों, कारीगरों और खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खादी आज केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध विरासत, आत्मनिर्भरता, सतत विकास और ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण का सशक्त प्रतीक बन चुकी है।

नए भारत की नई खादी' में नवाचार और आधुनिक डिजाइन पर जोर- मनोज गोयल ने खादी के होम लिनेन, होम डेकोर, आधुनिक परिधानों, नवाचार आधारित उत्पादों और पारंपरिक उत्पादन उपकरणों की प्रदर्शित श्रृंखला का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि शोध, डिजाइन और नवाचार के जरिए 'नए भारत की नई खादी' को नई पीढ़ी की पसंद और वैश्विक बाजार की जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खादी अब कपड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि लाइफस्टाइल उत्पादों और वैश्विक फैशन उद्योग में भी अपनी अलग पहचान बना चुकी है।

जामदानी खादी के नवाचार की सराहना- केवीआईसी अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल की घोरानाश सिल्क खादी ग्रामोद्योग समिति द्वारा प्रदर्शित 'मुला' जामदानी साड़ी और परिधानों के कलेक्शन की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक जामदानी बुनाई को आधुनिक डिजाइन के साथ जोड़ने जैसे नवाचार भारतीय खादी और हथकरघा को वैश्विक बाजार में नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि खादी आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, लोकल से ग्लोबल और विकसित भारत 2047 के

विजन को साकार करने का प्रभावी माध्यम बन रही है।

खादी लाखों कारीगरों की आजीविका और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक- मनोज गोयल ने कहा कि खादी केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि लाखों कारीगरों और बुनकरों की आजीविका, भारत की सांस्कृतिक विरासत और सतत विकास के प्रति देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी नीतियों के कारण खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

1.87 लाख करोड़ रुपए का कारोबार, 2.04 करोड़ लोगों को मिला रोजगार- केवीआईसी अध्यक्ष ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र ने 1.87 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार दर्ज किया और देशभर में 2.04 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया। उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्र की निरंतर वृद्धि से आने वाले वर्षों में इसका कारोबार 2.51 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा।

भारत टेक्स 2026 में दुनिया के सामने प्रदर्शित हो रही खादी की नई पहचान- भारत टेक्स 2026 का आयोजन 14 से 17 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में किया जा रहा है। इस वैश्विक आयोजन में भारत और विदेश से हजारों खरीदार, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, डिजाइनर, उद्यमी और नीति निर्माता भाग ले रहे हैं। 'खादी इंडिया पवेलियन' के माध्यम से खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग भारत की समृद्ध खादी विरासत, डिजाइन उत्कृष्टता, नवाचार और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित कर रहा है।

दूरियां शॉर्ट फिल्म की शूटिंग हुई प्रारंभ

जयपुर (हमारा वतन)। संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित होने वाली शॉर्ट फिल्म दूरियां की आज चौमूं में शूटिंग प्रारंभ हुई। शूटिंग का प्रारंभ पूर्ण विधि-विधान से पूजा अर्चना कर किया गया। फिल्म के डायरेक्टर राम गोपाल सैनी ने बताया कि आज के जमाने में एक ही घर में रहकर पिता और पुत्री के बीच किस प्रकार से दूरियां उत्पन्न हो जाती हैं। इसी को लेकर यह शॉर्ट फिल्म बनाई जा रही है। फिल्म में संदेश दिया गया है की कैसे आज के जमाने में बच्चों के साथ संवाद स्थापित कर दूरियों को मिटाया जा सकता है। इस शॉर्ट फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में प्रिया शर्मा, सुनील शर्मा और नारंगी देवी अपने अभिनय का जलवा बिखेर रहे हैं।

वहीं फिल्म के सह-निर्देशक संदीप शर्मा और मोहन सैनी ने बताया कि इससे पहले भी संस्कार सृजन संस्था द्वारा अनमोल जीवन और अपमान जैसी शॉर्ट फिल्म इंडिया यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो चुकी हैं, जिसे दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। शूटिंग के दौरान एडिटर रजनीश सैनी, आरती, निकिता, प्रीति शर्मा, मीना शर्मा, अंकित शर्मा सहित टीम सदस्य मौजूद रहे।

प्रिंस करियर इंस्टीट्यूट चौमूं के 6 सितारों ने NEET में रचा इतिहास, मेनका यादव रही टॉपर

चौमूं (हमारा वतन)। प्रिंस करियर इंस्टीट्यूट PCI-चौमूं के छात्रों ने NEET/IIT-JEE की तैयारी में एक बार फिर परचम लहराया है। संस्थान के नियमित क्लासरूम प्रोग्राम के छात्रों ने कड़ी मेहनत और बेहतरीन मार्गदर्शन से ऐतिहासिक स्कोर हासिल किए हैं।

परिक्षेत्र टॉपर बनीं मेनका यादव ने 720 में से 595 अंक प्राप्त किए। उनके साथ निकिता यादव 591, साक्षी कुमावत 588, गीतिका जांगिड़ 575, ऋषिराज यादव 567 और रिंकू यादव 560 अंकों के साथ टॉप स्कोरर्स की लिस्ट में शामिल रहीं। इन शानदार परिणामों से छात्रों ने न सिर्फ अपने अभिभावकों का बल्कि पूरे संस्थान का नाम रोशन किया।

2023 में शुरू हुए PCI-चौमूं, प्रिंस एजुकेशन ग्रुप का हिस्सा है और NEET-UG व IIT-JEE की कोचिंग के लिए क्षेत्र में तेजी से पहचान बना रहा है।

नतीजे आने के बाद PCI-चौमूं परिसर

में जश्न का माहौल था।

प्रिंस एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन कैलाश चौधरी, PCI HOD राजवीर सिंह चौधरी, प्रिंस कॉलेज प्राचार्य डॉ. राजेश गौड़ और प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल प्रधानाचार्य अभिषेक चौधरी ने सभी सफल छात्रों व अभिभावकों को बधाई दी।

चेयरमैन कैलाश चौधरी ने कहा, मानसिक दृढ़ता और सकारात्मक सोच के साथ खुद पर भरोसा रखें तो हर सफलता पाई जा सकती है।

इस मौके पर जयनल खान, पंकज शर्मा, आरिफ खान, ओम प्रकाश सेरावत, नरेन्द्र जांगिड़, पवन शर्मा, अमित चौधरी, अतुल चौधरी, भरत सिंह राठौड़, प्रकाश चन्द्र गोरा, संजय शर्मा, रामकिशन शर्मा, रमेश मान सहित पूरी फैकल्टी ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

पंडित रविन्द्राचार्य से मिले NRI सुरेश शर्मा

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर स्थित प्रतिष्ठित तारा ज्योतिष साधना केंद्र कार्यालय में आज अमेरिका सिएटल, अटलांटा से पधारे NRI सुरेश शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य से शिष्टाचार मुलाकात की।

इस दौरान मूल रूप से गुजरात के निवासी सुरेश शर्मा और पंडित रविन्द्राचार्य के बीच विभिन्न गूढ़ धार्मिक, आध्यात्मिक एवं समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

पंडित रविन्द्राचार्य ने इस मुलाकात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रवासी भारतीयों से मिलकर और उनके साथ धार्मिक संवाद कर अत्यंत हर्ष की अनुभूति हुई। अध्यात्म के प्रति उनकी रुचि सराहनीय है।

मुलाकात के दौरान सुरेश शर्मा ने

पंडित रविन्द्राचार्य की आध्यात्मिक व ज्योतिषीय सेवाओं से प्रभावित होकर उन्हें ससम्मान अमेरिका आने का भावभीना निमंत्रण भी दिया।

इस विशेष अवसर पर विमल चौधरी, सुरेश अग्रवाल, मनीष मिश्रा सहित समाज के कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस सकारात्मक वैचारिक आदान-प्रदान की सराहना की।

पहली बार मनाया राजस्थानी फिल्मों का 85वां जन्मोत्सव, राज जांगिड, श्रवण सागर और लखविंदर सिंह ने संभाला दायित्व

जयपुर (हमारा वतन)

राजस्थान के सिनेमाई इतिहास में आज एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। रॉयलवुड फिल्म इंडस्ट्री राजस्थान की ओर से राजस्थान के इतिहास में पहली बार राजस्थानी फिल्मों का 85वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का आगाज गणेश जी की पूजा-अर्चना और दीप प्रवलित कर किया गया। इस ऐतिहासिक महोत्सव में राजस्थान के कोने-कोने से सिनेमा जगत से जुड़े सैकड़ों निर्माता, निर्देशक, कलाकार और तकनीशियन एकजुट हुए।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे बॉलीवुड के मशहूर गीतकार सुधाकर शर्मा ने अपने उद्बोधन में राजस्थानी सिनेमा के गौरवशाली सफर को रेखांकित किया और इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए राजस्थानी फिल्मों के फिल्मकारों से सिनेमा में अच्छी कहानियाँ और बेहतरीन कलाकारों के साथ ही गीत संगीत व अपनी परम्पराओं को भी सम्मिलित करने का आह्वान किया ।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रख्यात संगीतकार व गायक सतीश देहरा ने भी मंच से अपने विचार साझा किए और क्षेत्रीय सिनेमा में संगीत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपनी दो दशक पूर्व प्रदर्शित हुई राजस्थानी फिल्म ओजी रे दीवाना में जो उनके द्वारा गाया हुआ गीत सुनाया ।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि फिल्म लेखक विजयसिंह पथिक ने राजस्थानी फिल्मों की पटकथा को मिट्टी से जोड़ने की बात पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि निर्माता एन के मित्तल ने निर्माण की संभावनाओं और बड़े बजट की फिल्मों की आवश्यकता बताई।

फिल्म निर्देशक सुनित कुमावत ने आधुनिक व अर्थ के इस दौर में बेहतरीन फिल्म के निर्माण पर फोकस डाला। फिल्म वितरक आर के सारा ने फिल्मों के बेहतर वितरण और प्रदर्शन पर अपने विचार रखे। युवा फिल्म लेखक-निर्देशक विजय सुथार ने नए दौर के सिनेमाई दृष्टिकोण पर अपने-अपने विचारो को साजा किया ।

समारोह का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड - रॉयलवुड के प्रसिद्ध प्लेबैक सिंगर रविन्द्र उपाध्याय की मखमली प्रस्तुति रही। उन्होंने अपनी जादुई आवाज में एक से बढ़कर एक बेहतरीन हिंदी और राजस्थानी गाने सुनाकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, फिल्मों और हजारों मंचों पर अपनी कॉमेडी का लोहा मनवा चुके प्रख्यात कॉमेडियन पन्या सेपट ने अपने अनूठे अंदाज में उद्बोधन दिया और चिरपरिचित कॉमेडी से पूरे सभागार को ठहाकों से गूंजने पर मजबूर कर दिया।

राजस्थानी फिल्मों के जानकार और सिने विरासत संग्रहालय के संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार एम. डी. सोनी ने राजस्थानी फिल्मों के 85 सालों के सफर पर प्रकाश डाला और प्रथम फिल्म नजराणो के बारे में जानकारी दी । राजस्थानी फिल्मों के 85 सालों के सफर के इस ऐतिहासिक अवसर पर रॉयलवुड फिल्म इंडस्ट्री परिवार राजस्थान द्वारा आए हुए अतिथियों सहित राजस्थान के कोने-कोने से आए तमाम फिल्म निर्माताओं, निर्देशकों, कलाकारों , लेखकों और तकनीशियनों का माला पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर नेहाश्री, अशोकसिंह शक्तावत, त्रिलोक नौलखा, प्रो.मधु भट्ट तेलंग, सुरेश मुदगल, रेखा परिहार, राजेन्द्र गुप्ता, संजय मलिक, मधु मित्तल, मंजूर अली कुरेशी, बलजीत गौस्वामी, पी एम डूडी, राहुल सूद, अंदाज खान, वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र सिंह शेखावत, सिकंदर चौहान, बलवीर सिंह राठौड़, ऊषा जैन, मनोज फोगाट, दिनेश कोशिक, सोनी सांवता, दीपेन्द्र सिंह, उग्रसेन तंवर, मीनाक्षी शर्मा, धर्मेन्द्र उपाध्याय, अनिल भूप, आर सी मीणा , राजवीर गुर्जर, विक्रम ओ. सिंह, रमेश गुणावत, वरिष्ठ पत्रकार राम गोपाल सैनी, महावीर सोनी, नवल किशोर शर्मा, विजयसिंह राठौड़, मधू भाट, गोविंदसिंह राजपूत, गणेश साहू, जावेद अली, ब्लडमैन प्रशांत, सुरज शर्मा, डॉ.रामशंकर भारद्वाज, प्रमोद आर्य, रत्नेश टांक, नौरत सोलंकी, भरत कसाणा, राजवीर पोसवाल, राकेश भार्गव, मुकेश भारद्वाज,राजकमल, रियाज फारूखी सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित हुए । इस दौरान फिल्मकार नंदकिशोर चतुर्वेदी, संतोष मिश्रा और केसी मालू को सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की ।

UEM जयपुर में ग्रैंड ओरिएंटेशन प्रोग्राम-2026 का भव्य आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जयपुर ने यूनिवर्सिटी कैंपस में नए एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स और उनके पेरेंट्स के लिए अपना ग्रैंड ओरिएंटेशन प्रोग्राम-2026 ऑर्गनाइज़ करके एकेडमिक एक्सीलेंस के एक नए युग की शुरुआत की। इस इवेंट में जाने-माने एकेडेमिक्स, सरकारी अधिकारी, इंडस्ट्री लीडर्स, एलुमनाई और यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेटर्स मौजूद थे, जिन्होंने मिलकर आने वाले बैच का स्वागत किया और उन्हें ईमानदारी, इनोवेशन और सोशल ज़िम्मेदारी के साथ एक्सीलेंस करने के लिए प्रेरित किया। प्रोग्राम की शुरुआत पारंपरिक दीप-प्रज्वलन सेरेमनी और नेशनल सॉन्ग के साथ हुई, जिसके बाद फाउंडर चांसलर की याद में एक इमोशनल वीडियो ट्रिब्यूट दिखाया गया, जिनका विज़न इंस्टीट्यूशन को एकेडमिक डिस्टिंक्शन और ग्लोबल पहचान की ओर ले जाता है।

चांसलर प्रो. बनानी चक्रवर्ती ने स्टूडेंट्स का UEM परिवार में गर्मजोशी से स्वागत किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि यूनिवर्सिटी सिर्फ़ डिग्री पाने की जगह नहीं है, बल्कि कैरेक्टर, लीडरशिप, इनोवेशन और ज़िंदगी भर सीखने का एक प्लैटफ़ॉर्म है।

प्रो. (डॉ.) सत्यजीत चक्रवर्ती, डायरेक्टर, IEM-UEM ग्रुप और वाइस चांसलर, UEM कोलकाता ने एकेडमिक एक्सीलेंस, कटिंग-एज रिसर्च, एंटरप्रेन्योरशिप और ग्लोबल एक्सपोज़र के लिए इंस्टीट्यूशन के कमिटमेंट पर ज़ोर दिया। वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) बिस्वजय चटर्जी ने कहा कि UEM जयपुर ने लगातार आउटकम-बेस्ड एजुकेशन, रिसर्च-ड्रिवन लर्निंग और मज़बूत इंडस्ट्री इंटीग्रेशन पर फोकस किया है। उन्होंने स्टूडेंट्स को एकेडमिक, टेक्निकल, कल्चरल और रिसर्च एक्टिविटीज़ में एक्टिव रूप से हिस्सा लेने के लिए मोटिवेट किया ।

रजिस्ट्रार, प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा ने नए एडमिशन लेने वालों और उनके पेरेंट्स का स्वागत किया और यूनिवर्सिटी की शानदार एक्सीलेंस की यात्रा का ओवरव्यू दिया।

चीफ गेस्ट आशीष कुमार शर्मा (RAS), सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट, चौमूं ने स्टूडेंट्स को राजस्थान की लीडिंग यूनिवर्सिटीज़ में से एक में एडमिशन मिलने पर बधाई दी और उनसे सफल प्रोफेशनल्स के साथ-साथ ज़िम्मेदार नागरिक बनने की अपील की।

प्रो. (डॉ.) मुकेश यादव, एसोसिएट डीन (एकेडमिक्स और फॉरेन रिलेशंस), ने एकेडमिक क्वालिटी, इंटरनेशनल कोलेबोरेशन और होलिस्टिक स्टूडेंट डेवलपमेंट पर यूनिवर्सिटी के ज़ोर पर ज़ोर दिया। प्रो. (डॉ.) जी. उमा देवी, एसोसिएट डीन (इंजीनियरिंग), ने इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स को साइंटिफिक टेम्परामेंट, रिसर्च एप्टीट्यूड और इनोवेशन बढ़ाने के लिए बढ़ावा दिया। प्रो. (डॉ.) प्रीति शर्मा, एसोसिएट डीन (मैनेजमेंट) ने स्टूडेंट्स को प्रेरित किया।

अनीषा चौधरी ने 720 में से 635 अंक प्राप्त कर रचा इतिहास

जयपुर (हमारा वतन)। देश की सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 के परिणाम घोषित होने के साथ ही क्षेत्र में हर्ष और गौरव का माहौल है। ग्राम रामपुरा डाबड़ी की होनहार छात्रा अनीषा चौधरी ने परीक्षा में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 720 में से 635 अंक अर्जित कर अपनी सफलता का परचम लहराया है।

अनीषा चौधरी, कैलाश चंद निठारवाल एवं लक्ष्मी निठारवाल की सुपुत्री हैं। अनीषा की इस अभूतपूर्व सफलता से न केवल उनके परिवार में बल्कि पूरे क्षेत्र में जश्न का माहौल है। परिणाम आते ही बधाई देने वालों का तांता लग गया और मिठाई बांटकर खुशियां मनाई गईं। अपनी इस शानदार सफलता पर बात करते हुए अनीषा ने बताया कि डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करना उनका बचपन का सपना था। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के अटूट विश्वास, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अपनी नियमित पढ़ाई को दिया। अनीषा चौधरी ने बताया कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। अगर आप अनुशासित होकर, बिना हिम्मत हारे अपने लक्ष्य के लिए प्रयास करते हैं, तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। मेरे माता-पिता ने हर परिस्थिति में मेरा हौसला बढ़ाया। बेटी की इस ऐतिहासिक सफलता पर भावुक होते हुए पिता कैलाश चंद निठारवाल और माता लक्ष्मी निठारवाल ने कहा कि अनीषा बचपन से ही पढ़ाई में कुशाग्र और बेहद मेहनती रही है। उसने दिन-रात एक करके यह मुकाम हासिल किया है। हमें पूरा विश्वास है कि वह एक बेहतरीन डॉक्टर बनकर समाज के हर वर्ग की सेवा करेगी और देश का नाम रोशन करेगी। अनीषा की इस गौरवमयी उपलब्धि पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों और शुभचिंतकों ने उन्हें उवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिझौली में मनाया हरेला पर्व

उत्तराखंड (हमारा वतन)। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बिझौली में हरेला पर्व मनाया। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. अशोक पाल सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड लोक संस्कृति, समृद्धि, समृद्ध पारंपरिक जीवन शैली, प्रकृति प्रेम और विरासत का प्रतीक है। हरेला पर्व यहाँ का एक मुख्य त्यौहार है। हरेला हरियाली का प्रतीक एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण के रूप में मनाया जाता है।

उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत ने जुलाई 2015 में व्यापक रूप से हरियाला अभियान की शुरुआत की थी। इस अवसर पर पर्यावरण संदेश दिया गया। साथ ही वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन कर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राएँ एवं पिंकी, इसराना खातून, प्रतिभा, ज्योति व शर्मा मौजूद रहे।

सभी खादी संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी गतिविधियों की जानकारी प्रकाशित करवाने के लिए हमें जरूर भेजें !
Email-hamarawatan65@gmail.com, whatsapp-9214996258.

Khadi For Nation
खादी भारत
Khadi India
Khadi For Fashion

जॉब्स

1. राजस्थान हाई कोर्ट जोधपुर, पद स्टेनोग्राफर ग्रेड थर्ड, पद संख्या 163, अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026
2. इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम पद सीएस, डीए व ईसी, पद संख्या 133, अंतिम तिथि 17 अगस्त 2026
3. नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, पद असिस्टेंट, पद संख्या 500, अंतिम तिथि 7 अगस्त 2026
4. नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे, पद अप्रेंटिस, पद संख्या 677, अंतिम तिथि 19 अगस्त 2026
5. रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, पद सेक्शन कंट्रोलर, पद संख्या 119, अंतिम तिथि 14 अगस्त 2026
6. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, पद सीईटी स्नातक, पद संख्या अघोषित, अंतिम तिथि 2 अगस्त 2026
7. यूपीपीएससी, पद पीसीएस, पद संख्या 500, अंतिम तिथि 27 जुलाई 2026
8. रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, पद टेक्नीशियन, पद संख्या 6557, अंतिम तिथि 29 जुलाई 2026

काजल अग्रवाल: खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है और मैं मंदोदरी, कभी साल में 8 फिल्में करती थी

काजल अग्रवाल अब 4 साल के बेटे नील की मां बन चुकीं हैं। जल्द ही एक्ट्रेस खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म द इंडिया स्टोरी लेकर आ रही हैं। उन्होंने कहा-

इस करियर में उतार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था।

काजल अग्रवाल मेरी कोई जिंदगी नहीं थी- साउथ की सुपरस्टार काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में भले ही कम फिल्में की हों, मगर उनके चाहने वाले पूरे देश में हैं। एसएस राजामौली निर्देशित चर्चित फिल्म मगाधीरा हो या अजय देवगन के साथ सिंघम, अपने हर किरदार से साथ उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां भी दी हैं। जल्द ही खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म द इंडिया स्टोरी लेकर आ रहीं काजल एक दौर में साल में 7-8 फिल्में करती थीं। वह कहती हैं कि तब मेरी अपनी कोई जिंदगी नहीं थी। मैं सिर्फ काम में जुटी रहती थी।

जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी-अपने इस सफल करियर पर काजल कहती हैं, यह ऊपरवाले की मेहरबानी और मेरे बड़ों का आशीर्वाद कि इतना कमाल का काम करने को मिला। कमाल के लोगों के साथ काम करने को मिला। मुझे ऐक्टिंग से बेहद प्यार है और जिस तरह के रोल मुझे मिल रहे हैं, जितना प्यार मुझे मिला है, मैं बहुत खुशनसीब हूं। हालांकि, इस करियर में उतार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था। लोगों की बातें समझ नहीं आती थीं। क्या सही है, क्या गलत है तो वो कल्चर समझा।

आमिर खान की एक्स वाइफ किरण राव ने किया सोनम वांगचुक को सपोर्ट, सरकार पर भड़कीं, लिखा...

आमिर खान ने साफ किया कि '3 इडियट्स' के फुंसुख वांगडू का किरदार सोनम वांगचुक पर आधारित नहीं है। वहीं उनकी एक्स वाइफ किरण राव ने सोनम वांगचुक का सपोर्ट किया है। सोनम वांगचुक अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं। इस बीच, आमिर

खान की एक्स वाइफ और फिल्ममेकर किरण राव, सोनम वांगचुक के सपोर्ट में सामने आई हैं। उन्होंने सरकार की आलोचना की है और उनसे बातचीत शुरू करने की अपील की है।

किरण राव का पोस्ट-सपोर्ट दिखाने के लिए किरण राव ने अपनी इंस्टाग्राम की डिपी को बदल दी है। उन्होंने सोनम वांगचुक की फोटो लगाई है जिस पर लिखा है, 'आई सपोर्ट सोनम।' **'देश आपका एहसानमंद है'-**किरण राव ने इसके अलावा सोनम के सपोर्ट में एक पोस्ट भी लिखी है। उन्होंने लिखा, 'मैं सोनम वांगचुक, अभिजीत दिपके, कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) और इस देश के सभी नागरिक, जो हमारे स्टूडेंट्स के अधिकारों के लिए प्रोटेस्ट कर रहे हैं, के साथ खड़ी हूं। सोनम जी, नेहा, मनीष, अमीन और बाकी सभी को मेरा सलाम। इन्होंने इंसाफ पक्का करने के लिए भूख हड़ताल की। हमारा देश आपका एहसानमंद है कि आपने हमें हमारी बेरुखी से बाहर निकाला और हमें याद दिलाया कि हर आवाज मायने रखती है।'**सरकार की आलोचना-**किरण ने आगे लिखा, '19 दिन बाद भी इस भूख हड़ताल पर चुप्पी बनी हुई है, ये बहुत दुख की बात है। सत्ता में बैठे राजनेताओं को लोगों की बात सुनाने के लिए और क्या करना होगा ये चौंकाने वाला और अमानवीय है।

2010 की वो फिल्म जिसने जीते 4 नेशनल अवॉर्ड, प्रीति जिंटा ने कर दी थी रिजेक्ट

साल 2010 में एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई थी जिसे प्रीति जिंटा ने रिजेक्ट कर दिया था। इस फिल्म को चार नेशनल अवॉर्ड मिले थे। इस फिल्म को बॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर विशाल भारद्वाज ने लिखा था। प्रीति जिंटा के फिल्म रिजेक्ट करने के बाद विद्या बालन को ये फिल्म करने का मौका मिला। क्या आप पहचान पाए फिल्म का नाम?

क्या है इस डार्क कॉमेडी फिल्म का नाम? अगर नहीं, तो चलिए हम बताते हैं।

इस फिल्म का नाम है इश्किया। इश्किया बॉलीवुड की एक डार्क कॉमेडी रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म को अभिषेक चौबे ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म से अभिषेक चौबे ने डायरेक्टर के तौर पर अपनी शुरुआत की थी। **फिल्म को किस-किस कैटेगरी में मिले थे नेशनल अवॉर्ड?** इश्किया को चार नेशनल अवॉर्ड मिले थे। रेखा भारद्वाज को बेस्ट प्लेबैक सिंगर का नेशनल अवॉर्ड मिला था। बेस्ट ऑडियोग्राफी के लिए भी इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिला था। बेस्ट ऑडियोग्राफी (री-रिकॉर्डिस्ट ऑफ द फाइनल मिक्स्ड ट्रैक) और बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का नेशनल अवॉर्ड भी इस फिल्म को मिला था। इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर विशाल भारद्वाज थे। **फिल्म में नजर आए थे ये सितारे-** फिल्म की कास्ट की बात करें तो इस फिल्म में अरशद वारसी, विद्या बालन और नसीरुद्दीन शाह लीड रोल में नजर आए थे। इसके अलावा फिल्म में सलमान शाहिद, आदिल हुसैन और राजेश शर्मा जैसे कलाकार नजर आए थे।

प्रीति जिंटा ने क्यों रिजेक्ट की थी फिल्म? इश्किया में विद्या बालन के रोल के लिए पहले प्रीति जिंटा को फाइनल किया गया था। हालांकि, प्रीति जिंटा ने फिल्म को रिजेक्ट कर दिया था।

वर्कआउट से पहले और बाद में चाहिए सावधानी

यदि आप हमेशा वर्कआउट नहीं किया करते तो फिटनेस के लिए गर्मियों में पावर योगा या स्ट्रेच एरोबिक्स कर सकते हैं। पर यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो गर्मियों का मौसम वर्कआउट के लिए बेहतर है। वजह चाहे जो भी हो, गर्मियों में एक्सरसाइज करने से पहले और बाद में भी कुछ सावधानियों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और कुछ बातों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है।

वॉर्म अप: व्यायाम शुरू करने से पहले वॉर्म अप एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। आमतौर पर हम वॉर्म अप आधे घंटे से 45 मिनट तक करते हैं। गर्मियों के मौसम में या ज्यादा गर्मी में वॉर्म अप 15 से 20 मिनट ही करना चाहिए। गर्मियों में ज्यादा देर तक या बहुत अधिक वॉर्म अप करने से कैलरी ज्यादा बर्न हो जाएगी, जिससे वर्कआउट करने की क्षमता कम हो सकती है। इसी तरह वर्कआउट खत्म होने के बाद भी कूल डाउन किया जाता है। गर्मियों के मौसम में कूल डाउन भी आवश्यकता के अनुसार 10 से 15 मिनट से ज्यादा नहीं करना चाहिए। इतनी देर कूल डाउन भी तभी करना चाहिए, अगर आप ज्यादा फैटी हैं, नहीं तो वर्कआउट के अंत में थोड़ी बहुत स्ट्रेचिंग, कार्डिओ, ट्रेडमिल, साइकलिंग या आसन ही करने चाहिए।

आते-जाते समय भी रखें ख्याल: कई बार हम वर्कआउट वाली जगह पर आने-जाने के लिए जॉगिंग या ब्रिस्क वॉक करते हुए जाते हैं। गर्मियों में ऐसा नहीं करना चाहिए। गर्मियों में वर्कआउट पर आने-जाने के लिए सामान्य रूप से टहलते हुए या गाड़ी से ही जाना चाहिए। गर्मियों में ब्रिस्क वॉक, जॉगिंग या रनिंग करते हुए वर्कआउट के लिए आने या जाने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

वर्कआउट कॉस्ट्यूम हो साफ : आजकल वर्कआउट के मुताबिक थोड़े ढीले कपड़े पहनते हैं, पर यह जरूरी है कि मौसम को देखते हुए भी वर्कआउट कॉस्ट्यूम चुने जाएं। यही नहीं, कॉस्ट्यूम से जुड़ी इस आवश्यक बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि वर्कआउट के बाद उन कपड़ों को जल्दी ही बदल लें, खासकर आजकल के मौसम में। गर्मियों में वर्कआउट के समय बहुत ज्यादा पसीना आता है। ऐसे में अगर आप वही कॉस्ट्यूम बहुत देर तक पहने रखते हैं तो कीटाणु आपकी सेहत को हानि पहुंचा सकते हैं। इससे संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए वर्कआउट करने के बाद आधे से एक घंटे के अंदर अपने गीले कपड़े निश्चित रूप से बदल लेने चाहिए।

संभव हो तो नहाकर जाएं:गर्मियों में वर्कआउट के लिए हो सके तो नहा कर जाएं। वर्कआउट करने के बाद भी शावर लेना गर्मियों में बेहद जरूरी होता है। इससे पसीने की वजह से जो कीटाणु होंगे, वो पूरी तरह से साफ हो जाएंगे और आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे। गर्मियों में तेल की मालिश करवाने से बचें और वर्कआउट से पहले तो ऐसी मालिश बिल्कुल भी न करवाएं। जरूरी हो तो त्वचा की देखभाल के लिए हलके मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें।

टाइनी पर्ल्स स्कूल की प्राचार्या डॉ. भारती रावत को मिली पीएचडी की उपाधि

जयपुर (हमारा वतन)। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान टाइनी पर्ल्स स्कूल की प्राचार्या डॉ. भारती रावत को शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पीएचडी की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। प्राचार्या की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर पूरे विद्यालय प्रशासन और शाला परिवार में हर्ष और उत्साह का माहौल है। इस विशेष अवसर पर टाइनी पर्ल्स स्कूल के समस्त प्रबंधन, शिक्षक गण और स्टाफ ने डॉ. भारती रावत को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उज्वल भविष्य के लिए हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं। शाला परिवार ने संयुक्त रूप से बधाई देते हुए कहा कि यह बड़ी सफलता प्राचार्या डॉ. भारती रावत के अथक परिश्रम, दृढ़ संकल्प, अटूट समर्पण एवं अनवरत ज्ञान-साधना का ही श्रेष्ठ परिणाम है। यह केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विद्यालय परिवार के लिए बड़े गर्व और प्रेरणा का विषय है। समारोह के दौरान वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. भारती रावत के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में टाइनी पर्ल्स स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित करेगा और सफलता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। उपस्थित सभी लोगों ने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर यशस्वी रहने की प्रार्थना की, ताकि शिक्षा जगत में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं से समाज को एक नई दिशा मिलती रहे।

राजस्थानी संगीत को नए आयाम देने वाले राजस्थान रत्न केसी मालू नहीं रहे

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थानी लोकसंगीत को देश-दुनिया तक पहुंचाने वाले प्रसिद्ध उद्योगपति, वीणा कैसेट्स के संस्थापक और राजस्थान रत्न से सम्मानित केसरी चंद (केसी) मालू का सोमवार देर रात हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन से राजस्थान के कला, संस्कृति और लोकसंगीत जगत में शोक की लहर है। वे 80 वर्ष के थे। उनकी अंतिम यात्रा पुरानी चुंगी, अजमेर रोड स्थित उनके निवास से रवाना हुई। उनके निधन पर सीएम भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दीया कुमारी, पूर्व सीएम अशोक गहलोत सहित कई नेताओं,मंत्रियों और राजस्थानी सिनेमा के लोगों ने शोक व्यक्त किया।

केसी मालू का निधन केवल एक सफल उद्यमी का जाना नहीं है, बल्कि उस व्यक्तित्व का अवसान है, जिसने राजस्थानी लोकधुनों, लोकगाथाओं और लोक कलाकारों को नई पहचान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। राजस्थान की सांस्कृतिक स्मृति को संरक्षित करने और उसे आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने में उनका योगदान अविस्मरणीय माना जाता है।

केसी मालू ने अपने जीवन में हजारों लोकगीतों, भजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की रिकॉर्डिंग करवाई। उन्होंने अनेक ऐसे लोक कलाकारों को अवसर दिया, जिनकी प्रतिभा गांवों और कस्बों तक सीमित थी। वीणा कैसेट्स के माध्यम से इन कलाकारों की आवाज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंची। लोकसंगीत को उन्होंने केवल व्यावसायिक उत्पाद नहीं बनाया, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर के रूप में संरक्षित और लोकप्रिय बनाया।

साल 1987 में राजस्थान में पड़े भीषण अकाल के दौरान केसी मालू ने जयपुर में ऐतिहासिक लता मंगेशकर नाइट का आयोजन कराया। इस कार्यक्रम के माध्यम से उस समय लगभग एक करोड़ रुपए की राशि राहत कार्यों के लिए जुटाई गई थी। यह आयोजन आज भी राजस्थान के सांस्कृतिक और सामाजिक इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं में गिना जाता है। राजस्थानी लोक संगीत और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें राजस्थान रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। उनके प्रयासों से राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नई प्रतिष्ठा मिली।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या खाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

सम्पादकीय.....

उच्च शिक्षा पर हावी होती महंगाई

समाज के वंचित क्लास और निम्न मध्यवर्ग में यह अहसास मजबूत हुआ है कि उनके बच्चे जीवन की दौड़ में तभी टिक सकते हैं जब वे शिक्षा प्राप्त करें। इसलिए यह समूह अब अपने बच्चों की शिक्षा के लिए हर तरह का संघर्ष कर रहा है। वह पेट काटकर, जमीन गिरवी रखकर, कर्ज लेकर भी बच्चों को पढ़ा रहा है। इसके कारण पिछले डेढ़-दो दशकों में प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा में दाखिला बढ़ा है, लैंगिक अंतर कम हुआ है। यह एक सकारात्मक संकेत है। लेकिन अगर फीस इसी तरह बढ़ती रही तो गरीब तबके को मन मारकर इस दौड़ से बाहर निकल जाना होगा। निश्चय ही उच्च शिक्षा से एक बड़े वर्ग का वंचित होना ठीक नहीं है हाल ही में संसदीय स्थायी समिति ने कहा है कि उच्च शिक्षा के लिए मौजूदा बजट आवंटन पर्याप्त नहीं है और शिक्षा पर खर्च बढ़ाकर जीडीपी का 6 प्रतिशत किया जाना चाहिए। समिति के अनुसार 2021-22 में भारत का शिक्षा व्यय केवल 4.12 प्रतिशत था, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्य से कम है। रिपोर्ट में महंगाई, नामांकन वृद्धि और शिक्षा की गुणवत्ता को देखते हुए अधिक निवेश की जरूरत बताई गई है। समिति ने चिंता जताई कि 2021-22 में भारत का कुल शिक्षा व्यय जीडीपी का केवल 4.12 प्रतिशत था। यह आंकड़ा एनईपी के लक्ष्य से काफी कम है। समिति का मानना है कि यदि भारत को वैश्विक स्तर की शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी है तो शिक्षा पर निवेश जरूर बढ़ाना होगा। समिति ने 2018 से 2023 के बीच पुरुष और महिला छात्रों के सकल नामांकन अनुपात (ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो) का भी अध्ययन किया। रिपोर्ट में कहा गया कि इस अवधि में नामांकन अनुपात में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं देखी गई। समिति का मानना है कि मानव संसाधनों के बेहतर विकास और रोजगारोन्मुख शिक्षा के लिए उच्च शिक्षा में अधिक छात्रों को जोड़ना जरूरी है। इसी कारण उसने 2035 तक एनईपी-2020 के लक्ष्यों के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की सिफारिश की है। आज उच्च शिक्षा में बढ़ती महंगाई एक बड़ी चुनौती है, जो सामान्य मुद्रास्फीति की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ रही है। शिक्षा का खर्च 10 से 12 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रहा है जिससे उच्च शिक्षा की लागत हर 6-7 साल में दोगुनी हो जाती है। बढ़ते खर्च के कारण और इससे निपटने के तरीकों पर मंथन जरूरी है। उच्च शिक्षा इतनी महंगी क्यों हो रही है? मांग और आपूर्ति में असंतुलन- उच्च शिक्षा की भारी मांग (लगभग 20 फीसदी वार्षिक वृद्धि) और अच्छे गुणवत्ता वाले संस्थानों की सीमित आपूर्ति के कारण निजी संस्थान इसका फायदा उठाते हैं।आधुनिक तकनीकों (लैब, सॉफ्टवेयर), अनुसंधान और बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने में आने वाली भारी लागत, शिक्षकों का वेतन और अनुपालन- उत्कृष्ट प्राध्यापकों का वेतन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे नियामक मानकों को पूरा करने का खर्च सीधे तौर पर ट्यूशन फीस में जुड़ जाता है। महंगी शिक्षा के कारण अधिकांश छात्रों को भारी मात्रा में एजुकेशन लोन लेना पड़ता है, जिसकी अदायगी के लिए वे करियर की शुरुआत में ही कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। मध्यम और गरीब परिवारों पर दबाव- मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों को बच्चों को पढ़ाने के लिए अपनी संपत्ति गिरवी रखनी पड़ती है या अपनी बचत खत्म करनी पड़ती है। उच्च फीस और जीवनयापन के भारी खर्चों (हॉस्टल, यात्रा, कोचिंग) के कारण कई मेधावी छात्र बीच में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों से देश में उच्च शिक्षा लगातार महंगी होती जा रही है। गरीब, मेहनतकश वर्ग ही नहीं, मध्यवर्ग के लिए भी हायर एजुकेशन हासिल करना आसान नहीं रह गया है। हाल तक यह माना जाता था कि कम से कम सरकारी संस्थानों में तो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग पढ़ाई कर ही लेगा, पर उन संस्थानों की भी बढ़ती फीस ने इस तबके की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

राम गोपाल सैनी

वृक्षमित्र के सौजन्य से एनएसएस व एनसीसी केडेट्स ने लगाए पौधे

ऋषिकेश (हमारा वतन)। उत्तराखंड के लोक पर्व हरेला के अवसर पर पीएम श्री राजकीय इण्टर कॉलेज आईडीपीएल वीरभद्र के परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों तथा एनसीसी कैडेट्स द्वारा वृहद वृक्षारोपण किया जिसमें तेजपत्ता, बांज, पदम, आंवला, रातकीरानी, आम के सौ से अधिक पौधों का रोपड़ किया।

यह कार्यक्रम एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी के नेतृत्व में तथा प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह गुलेरिया की अध्यक्षता में किया गया। छात्र छात्राओं ने हरेला पर्व पर पौधारोपण के लिए एक जनजागरूकता रैली निकाली और छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण में बढ़चढ़ कर भाग लिया और रोपित पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। वृक्षमित्र डॉ. सोनी ने पौधारोपण कार्यक्रम में पहुंची पार्षद मुस्कान को पौधा उपहार में भेंट किया, तत्पश्चात पौधारोपण किया । कार्यक्रम में

नगर समन्वयक मनोज कुमार गुप्ता सहित विधिक प्राधिकरण से कुसुम उनियाल, मनोरमा रावत पीएम श्री राजकीय इण्टर कॉलेज आईडीपीएल वीरभद्र ऋषिकेश के एनएसएस व एनसीसी के छात्रों ने एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी वृक्षमित्र डॉ.त्रिलोक चंद्र सोनी के नेतृत्व में हरेला पर्व पर वृहद पौधारोपण जिसमे आंवला, लिमला, पदम, रातकीरानी, देवदार सहित विभिन्न प्रजाति के 100 से अधिक पौधों का रोपड़ किया गया। कार्यक्रम में शगुन, अमन, गौरी, सिमरन, मुस्कान, कशिश, मीनाक्षी, पलक, दिव्या, आर्यन, अनुज, गौरव आदि मौजूद रहे ।

सीआरपीएफ शहीद नारायण कुमावत की 36वीं पुण्यतिथि पर ग्रामवासियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

गोविंदगढ (हमारा वतन)। सीआरपीएफ बटालियन से शहीद सबइंस्पेक्टर नारायण कुमावत की 36वीं पुण्यतिथि पर ग्रामवासियों ने मुख्य बाजार चौपड़ में श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर सीआरपीएफ जीसी 1 बटालियन अजमेर से पधारे एएसआई भूपेंद्र कुमार शर्मा ने परिवारजनों को शोल ओढ़ाकर सम्मानित किया और कहा की मातृभूमि की रक्षा में वीरगती को प्राप्त सैनिकों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

इस अवसर पर पूर्व सरपंच गोपाल डेनवाल, सेवानिवृत्त अधिकारी- कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष वैद्य रघु शर्मा, गौरक्षक दल अध्यक्ष शेरसिंह कुमावत, रिटायर्ड फौजी द्वारका प्रसाद कुमावत, बनवारी लाल कुमावत, कमल कुमार कुमावत, सुरेश कुमार, विक्रम कुमावत, हर्ष, महेश सहित कई लोगों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फ्लैक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

सुकून सुर रागिनी द्वारा जयपुर में सजेगी साउंड ऑफ म्यूजिक 2.0की लाइव गायन शाम

जयपुर (हमारा वतन)। संगीत प्रेमियों के लिए एक बेहद खास और यादगार शाम का आयोजन होने जा रहा है। सुकून सुर रागिनी संस्था द्वारा आगामी रविवार 9 अगस्त 2026 को जयपुर में एक भव्य लाइव म्यूजिक सिंगिंग इवेंट साउंड ऑफ म्यूजिक 2.0 का आयोजन करने जा रही है। एवरी नोट, एवरी वॉयस, वन हार्टबीट की खूबसूरत थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में सुरों, यादों और जादू का एक अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

डायरेक्टर नीरा राजबंशी ने बताया कि कार्यक्रम शाम 5 बजे से रात 9:30 बजे तक आर.आई.सी. मिनी ऑडिटोरियम 1, जयपुर में में संपन्न होने जा रहा है। इस संगीतमय शाम को सफल बनाने में एडमिन टीम के सदस्य अनुपमा माथुर, आयुषी कुलश्रेष्ठ, कर्नल बी. एल. माथुर, जीतेंद्र नाग और मुकुल कुलश्रेष्ठ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जयपुर के सभी संगीत प्रेमियों को इस जादुई और सुरीली शाम का हिस्सा बनने के लिए सादर आमंत्रित किया गया है।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादकः सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।